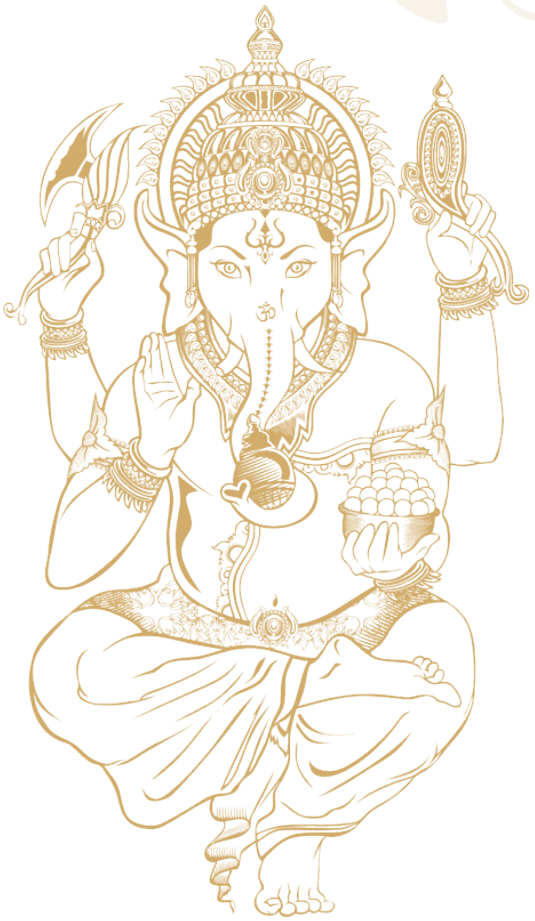

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120139506

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
31-01/11/2002 :	जन्म तिथि	: 26-27/01/1999
गुरु-शुक्रवार :	दिन	: मंगल-बुधवार
घंटे 04:45:00 :	जन्म समय	: 04:01:00 घंटे
घटी 55:09:48 :	जन्म समय(घटी)	: 51:47:51 घटी
India :	देश	: India
Surat :	स्थान	: Kuchaman
21:10:00 उत्तर :	अक्षांश	: 27:10:00 उत्तर
72:50:00 पूर्व :	रेखांश	: 74:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:40 :	स्थानिक संस्कार	: -00:30:24 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:41:04 :	सूर्योदय	: 07:19:20
18:03:28 :	सूर्यास्त	: 18:06:38
23:53:30 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:29

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 9वर्ष 11मा 24दि		16:58:41	कन्या	लग्न	वृश्चि	23:13:58	चन्द्र 9वर्ष 3मा 16दि	
चन्द्र		14:27:49	तुला	सूर्य	मक	12:40:53	राहु	
26/10/2018		20:00:41	सिंह	चंद्र	वृष	10:56:18	15/05/2015	
25/10/2028		16:28:26	कन्या	मंगल	तुला	06:20:14	14/05/2033	
चन्द्र	26/08/2019	06:08:43	तुला	बुध	मक	07:02:56	राहु	25/01/2018
मंगल	26/03/2020	22:27:02	कर्क	गुरु	मीन	02:35:34	गुरु	20/06/2020
राहु	25/09/2021	13:42:57	तुला व	शुक्र	कुंभ	03:59:22	शनि	27/04/2023
गुरु	25/01/2023	04:48:44	मिथु व	शनि	मेष	03:39:28	बुध	13/11/2025
शनि	25/08/2024	15:10:19	वृष व	राहु व	कर्क	28:22:32	केतु	02/12/2026
बुध	25/01/2026	15:10:19	वृश्चि व	केतु व	मक	28:22:32	शुक्र	01/12/2029
केतु	26/08/2026	01:01:16	कुंभ व	हर्ष	मक	18:33:43	सूर्य	26/10/2030
शुक्र	25/04/2028	14:20:24	मक	नेप	मक	08:11:17	चन्द्र	26/04/2032
सूर्य	25/10/2028	22:09:11	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	16:03:35	मंगल	14/05/2033

लग्न-चलित

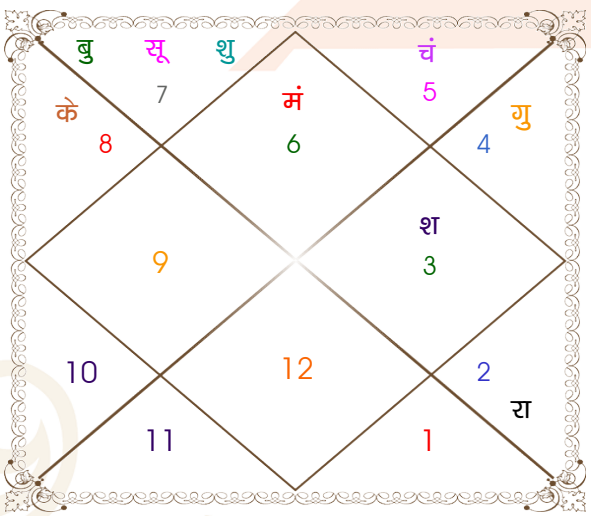

लग्न-चलित

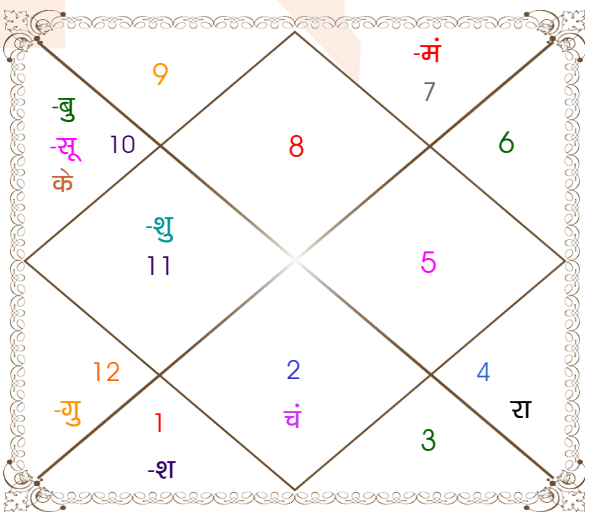

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शुक्र	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

Mr. का वर्ग श्वान है तथा Ms. का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।